* आर्य समाज *

आर्य समाज की स्थापना गुजरात के काठियावाड़ के निवासी श्री स्वामी दयानन्द सरस्वती ने की थी वे एक अत्यन्त शक्तिशाली तथा प्रभावशाली वक्ता थे। उनके भाषणों के ही कारण आर्य समाज का प्रभाव सर्वसाधारण पर हुआ। सन् 1877 ई० में इन्होंने आर्य समाज की स्थापना बम्बई में की इन्होंने हिन्दू धर्म को सभी धर्मों से श्रेष्ठ कहा, इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि मूर्ति पूजा, जन्म पर आधारित जाति-पाँति, छुआछूत, सतिप्रथा इत्यादि का वेदों में कोई भी वर्णन नहीं है इन्हें खत्म करने और विधवाओं को पुनर्विवाह करने पर जोर दिया इससे भी महत्वपूर्ण कार्य उन्होंने यह किया कि वे भारत के निवासियों में आत्म-सम्मान, देश के प्रति प्रेम, स्वतंत्रता और अपने पूर्वजों पर गौरव करने का भाव सभी में ला दिया। यही भाव, स्वतंत्रता आंदोलन के कारण हो गए। इसके बाद 'सत्यार्थ प्रकाश' जैसी पुस्तक लिखकर उन्होंने अपने मूल विचारों को अभिव्यक्त किया।

OCTOBER
M T W T F S S M T W T F S S
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27
28 29 30 31

समानता एवं धार्मिक कट्टरता की भावना को लेकर आर्य समाज ने भारत में धार्मिक सामाजिक शैक्षिक और राजनीतिक क्षेत्र में व्यापक कार्य किया। इन्होंने वेदों की श्रेष्ठता को स्वीकारा और मन्त्र-पाठ, हवन, यज्ञ कर्म आदि को बल दिया। सामाजिक क्षेत्र में आर्य समाज ने बाल-विवाह, बहु-विवाह, पर्दा-प्रथा जाति-प्रथा, सती-प्रथा आदि कुरीतियों का विरोध किया। शिक्षा के क्षेत्र में आर्य समाज ने विभिन्न स्थानों पर गुरुकुल स्थापित किए।

आर्य समाज के प्रणेता स्वामी दयानंद सरस्वती ने ही सर्वप्रथम स्वराज शब्द का प्रयोग किया तथा विदेशी वस्तुओं के प्रयोग का बहिष्कार एवं स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करना सिखाया। सत्यार्थ-प्रकाश में उन्होंने लिखा की "कोई कितना ही कहे, परन्तु स्वदेशी राज्य सर्वोपरि होता है।"

* अलीगढ़ आंदोलन *

19वीं शताब्दी के मुस्लिम धार्मिक एवं सामाजिक आन्दोलनों की कड़ी में अलीगढ़ आंदोलन की एक अलग भूमिका है। सर सैयद अहमद खान ने अलीगढ़ आन्दोलन की शुरुआत की अलीगढ़ आन्दोलन का भारतीय समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा विशेष तौर पर मुस्लिम समाज पर जिस प्रकार से हिन्दुओं के लिए राजाराम मोहन राय ने जो कार्य किया वही कार्य सर सैयद अहमद खाँ ने भारतीय मुसलमानों के लिए किया था।

अलीगढ़ आन्दोलन ने मुस्लिम सम्प्रदाय की शिक्षा सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति तथा उनके आधुनिकीकरण के लिए विविध कार्य किया। आन्दोलन का अर्थ ~~उम~~ आरम्भ में राजनीतिक थी। 1886 में सर सैयद अहमद खाँ ने ऑल इंडिया एजुकेशनल कॉन्फ्रेंस की स्थापना की अलीगढ़ आन्दोलन के शैक्षिक उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए। यह आन्दोलन उर्दू साहित्य की नवीन प्रवृति का परिचय देता है।

इस आंदोलन के मुख्य दो लक्ष्य थे।

1. अंग्रेज एवं मुसलमानों के बीच सम्बन्धों को ठीक करना।

2. मुसलमानों में आधुनिक शिक्षा का प्रसार करना।

सर सैयद अहमद खान और उनके संगठन ने उर्दू साहित्य के पुरानी लेखन पद्धति को त्याग दिया और उन्होंने सरल पद्धति को अपनाया जिसे मुसलमानों को आन्दोलन के उद्देश्य को समझने में मदद मिली।